महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

संपादक : डॉ. मधुकर खराटे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बोदवड महाविद्यालय, बोदवड
पूर्व अधिष्ठाता, कला संकाय, उ. म. वि., जलगांव.

वर्ष : 22
अंक : 24

कार्यकारी संपादक : डॉ. राजेंद्र रोटे
कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय
पूर्व सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 26 वाँ अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी

न्यू आर्टस्, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, पारनेर, जि. अहमदनगर

(21 एवं 22 दिसंबर, 2018)

मान्यवर आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 26 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी **न्यू आर्टस्, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, पारनेर, जि. अहमदनगर** के हिंदी विभाग में **''इक्कीसवीं सदी की हिंदी ग़ज़ल : विविध विमर्श''** इस विषय पर दि. **21 एवं 22 दिसंबर, 2018** को संपन्न होने जा रही है।

अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज – अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज संस्था नामांकित शैक्षिक संस्था है। करवीर छत्रपति चौथे शिवाजी महाराजा के बलिदान की प्रेरणा और राजर्षि शाहू महाराजा ने शिक्षा विषयक विशाल दृष्टिकोन रखकर आर्थिक सहयोग दिया, जिससे 1918 में संस्था की स्थापना हुई। संस्था को मिली विरासत जैसे राजर्षि शाहू महाराजा के सामाजिक विचारों की थी वैसे ही वह महात्मा फुले और डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के बहुजन उद्धार की भी थी। इसलिए प्रारंभ से ही देहातों, किसान और वंचित जनसामान्य लोगों तक शिक्षा पहुंचनी चाहिए इसलिए संस्था के पदाधिकारियों ने अविरत प्रयास किए है। **'तेजो s सि तेजो मे देहि'** यह ब्रीद केंद्र में रखकर आरंभ में मात्र ग्यारह छात्रों से प्रारंभ हुई इस संस्था में आज विविध विद्यालय और महाविद्यालय मिलकर 122 शाखाएं, 75 हजार छात्र और 4 हजार से ज्यादा अधिक कर्मचारी ऐसा विशाल स्वरूप प्राप्त हुआ है।

अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज संस्था इस साल अपना सुवर्ण महोत्सव मना रही है। इस सुवर्ण महोत्सवी वर्ष में संस्था स्तर पर अनेक शैक्षिक और सामाजिक उपक्रमों का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत व्याख्यानमाला, कार्यशाला, संगोष्ठी और विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है।

न्यू आर्टस्, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज – न्यू आर्टस्, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज की स्थापना 1977 में हुई। यह अहमदनगर जिले का अग्रगण्य कॉलेज माना जाता है। आज महाविद्यालय में विविध शाखाओं में तीन हजार पांच सौ छात्र अध्ययन कर रहे है। महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ विविध विषयों के अनुसंधान केंद्र भी कार्यरत है। महाविद्यालय में अनेक सामाजिक उपक्रम भी चलाए जाते है। महाविद्यालय को आज तक राज्य सरकार का प्रथम क्रमांक का मार्ग सुरक्षा विषयक पुरस्कार, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय का उत्कृष्ट महाविद्यालय और उत्कृष्ट प्राचार्य पुरस्कार आदि राज्य और राष्ट्रीय स्तर के पच्चीस पुरस्कारों से सन्मानित किया गया है। महाविद्यालय को 2017 में नॅक द्वारा A ग्रेड प्राप्त हुई है।

महाविद्यालय ने पिछले तीन शैक्षिक वर्ष में विश्वविद्यालय स्तर पर 76 रैंकिंग छात्र दिए है। विश्वविद्यालय का यह एकमात्र महाविद्यालय है, जिन्होंने तीन साल में इतने रैंकिंग छात्र दिए है। इसके लिए महाविद्यालय को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की ओर से गौरान्वित किया है। महाविद्यालय में समृद्ध इतिहास संग्रहालय है, जिसमें अहमदनगर जिला और पारनेर तहसील की झांकियाँ दिखाई देती है। महाविद्यालय ने अपने आपको बिजली के क्षेत्र में स्वयंपूर्ण बनाया है। दैनंदिन कामकाज के लिए आवश्यक बिजली की निर्मिति सौर उर्जा द्वारा की जाती है, उर्वरीत बिजली सरकार को बिक्री की जाती है। महाविद्यालय में समृद्ध कैक्टस् गार्डन है, जिसमें देश और विदेश के विविध प्रकार के दुर्लभ कैक्टस् देखने को मिलते है।

पारनेर – पारनेर यह प्राचीन ऋषि पराशर की तपोभूमि, पेशवाकालीन सरदार दाभाडे की कर्मभूमि, सेनापति बापट की जन्मभूमि और ज्येष्ठ समाजसुधारक अन्नासाहब हजारे और पूर्णवादी तत्वज्ञान के प्रणेता पारनेरकर महाराज की कर्मभूमि है। पारनेर अहमदनगर से 40 किमी, पूना से 90 किमी दूरी पर 19 उत्तर अक्षांश और 74-26 पूर्व रेखांश पर है। वारकरी संप्रदाय परंपरा के अंतिम संत श्री निळोबाराय का समाधि स्थल पारनेर से 15 किमी है। शिर्डी के साईबाबा और शनिशिंगाणापूर पारनेर से नजदीक है। पारनेर तहसील में शिवकालीन अनेक मंदिर और पांडवकालीन गुफाएं मिलती है।

ग्रामीण महाराष्ट्र को दिशा देनेवाले आदर्श गांव रालेगणसिद्धी और हिवरेबाजार पारनेर से नजदीक है। आदर्श गांव की सभी विशेषताएँ और सुविधाएँ इस गांव में देखने को मिलती है। इन गांवों में पानी व्यवस्थापन से लेकर आरोग्य और शिक्षा व्यवस्था संबंधी आदर्श व्यवस्था दिखाई देती है।

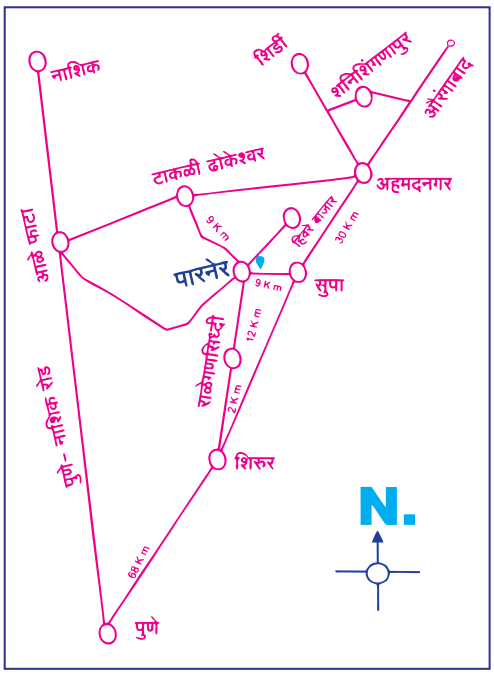

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●
● हिंदी के सभी प्राध्यापक **''हिंदी शोध संदर्भ कोश''** खरीद कर सहयोग दें । ●

धर्माबाद में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 25 वें (रजत महोत्सवी) अधिवेशन का कार्यवृत्त

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 25 वाँ रजत महोत्सवी अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी '21 वीं शताब्दी के हिंदी साहित्य में महानगरीय बोध' इस विषय पर लालबहादूर शास्त्री महाविद्यालय, धर्माबाद, जि. नांदेड में बड़े उत्साह के वातावरण में संपन्न हुई । अधिवेशन का उद्घाटन दि. 23 दिसंबर 2017 की सुबह 11 बजे लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. कालीचरण स्नेही जी के करकमलों से हुआ । अध्यक्षता धर्मबाद शिक्षा संस्था के उपाध्यक्ष मा. श्री. गंगाधरराव गुजराथी जी ने निभाई । उद्घाटक के रूप में स्वामी रामानंदतीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड के प्र. कुलपति डॉ. जी. एन. शिंदे उपस्थित थे । प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. सुरेश सदावर्ते, डॉ. जोगेंद्रसिंह बिसेन, डॉ. मधुकर खराटे, डॉ. पी. एस. पाटील आदि उपस्थित थे । डॉ. मधुकर खराटे जी ने परिषद का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया । डॉ. जी. एन. शिंदे जी ने अपने मौलिक विचार प्रस्तुत किए । डॉ. कालीचरण स्नेही जी ने '21 वीं शताब्दी के हिंदी साहित्य में महानगरीय बोध' इस विषय पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर परिषद की पत्रिका 'सार्थक उपलब्धि' का विमोचन मान्यवरों के हाथों संपन्न हुआ ।

दोपहर 1.00 बजे प्रथम सत्र उपन्यास विधा पर प्रारंभ हुआ । डॉ. संदीप रणभिरकर जी ने विषय प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया । डॉ. मिथिलेश अवस्थी अध्यक्ष के रूप में थे । द्वितीय सत्र कहानी साहित्य पर हुआ । डॉ. जयश्री शिंदे ने विषय प्रस्तुत किया और डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर जी ने अध्यक्षता की । तृतीय सत्र नाटक साहित्य पर संपन्न हुआ । शाम सात बजे महाविद्यालय के छात्रों ने मनोरंजन से भरपूर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया ।

दि. 23 दिसंबर 2017 के दिन सुबह 9.00 बजे चतुर्थ सत्र में काव्य साहित्य पर डॉ. भारती गोरे जी ने विचार प्रस्तुत किए और अध्यक्षता डॉ. माधवी जाधव जी ने की । पंचम सत्र अन्य विधाओं पर संपन्न हुआ । अध्यक्ष के रूप में डॉ. व्ही. एन. भालेराव उपस्थित थे ।

सुबह 11.00 बजे परिषद का खुला अधिवेशन हुआ । डॉ. मधुकर खराटे जी ने अध्यक्षता निभाई और डॉ. पी. एस. पाटील जी ने सूत्र संचालन किया । इस अवसर पर डॉ. बद्रीनारायण जी को परिषद की ओर से 'सारस्वत सम्मान' से सम्मानित किया और डॉ. राहूल मिश्रा जी को 'उत्कृष्ट आलेख पुरस्कार' दिया गया । डॉ. गजानन चव्हाण जी ने इतिवृत्त तथा डॉ. राजेंद्र रोटे जी ने आय-व्यय तथा बजट प्रस्तुत किया । इस अवसर पर तीन ग्रंथों का विमोचन मान्यवरों के हाथों संपन्न हुआ । इस अवसर पर अनेक प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई और उन्हें पारित किया गया ।

अधिवेशन का समापन दोपहर 12.00 बजे धर्माबाद शिक्षा संस्था के कोषाध्यक्ष मा. महेंद्र पांडे जी की अध्यक्षता में हुआ । प्रमुख अतिथि डॉ. चंद्रदेव कवडे जी थे । डॉ. प्रतिभा येरेकार जी ने कार्यक्रम का स्वागत एवं प्रास्ताविक किया । इस अवसर पर डॉ. मधुकर खराटे, डॉ. अंबादास देशमुख, डॉ. गणपत राठोड, डॉ. पी. एस. पाटील, डॉ. अनिल सालुंखे, डॉ. अरूण घोगरे, डॉ. राजेंद्र रोटे एवं डॉ. गजानन चव्हाण उपस्थित थे । प्रा. एस. डी. कोरेबाईनवाड ने आभार प्रदर्शन किया ।

निवेदन हैं कि...

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा हो । E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

1. सारस्वत सम्मान –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 26 वें अधिवेशन में परिषद की ओर से सारस्वत सम्मान दिया जाता है । यह सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय कार्य के सम्मान हेतु प्रदान किया जाता है । इस पुरस्कार का चयन मा. अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं अधिवेशन के संयोजक की सम्मति से होता है । परिषद की ओर से रु. 2100/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है ।

2. उत्कृष्ट शोधालेख पुरस्कार –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 26 वें अधिवेशन में 'सार्थक उपलब्धि' वार्षिकांक के लिए भेजे गए आलेखों में से 'उत्कृष्ट आलेख' का चयन कर परिषद की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाता है । परिषद की ओर से रु. 1001/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है ।

-: संपर्क :-
डॉ. मधुकर खराटे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
बोदवड महाविद्यालय, बोदवड
भ्रमणध्वनि – 9422567778

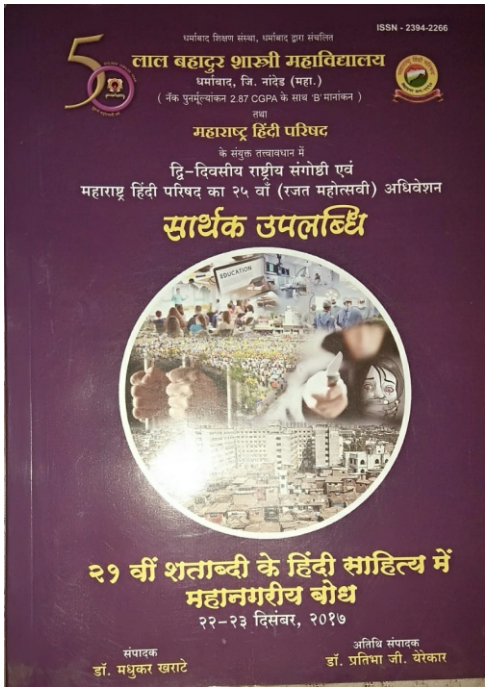

-० संयोजक ०-

डॉ. विजयकुमार राऊत
भ्रमणध्वनि : 8275266361

-० सह संयोजक ०-

डॉ. हनुमंत गायकवाड
भ्रमणध्वनि : 9922623108

दुरभाष (कार्या.) : 02488 - 221535, 221537

-० अधिवेशन शुल्क ०-

प्रतिभागी : रु. 700/- + 300/- (सहयोग राशि)
छात्र : रु. 300/-

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए ।
- हिंदी के प्राध्यापकों को परिषद के आजीवन सदस्य बनाइए ।
- शैक्षिक वर्ष में राज्य तथा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त आजीवन सदस्यों की जानकारी तथा अवकाशप्राप्त आजीवन सदस्यों के आगमन की लिखित सूचना संयोजक को दीजिए ।
- पुरस्कार स्वरुप परिषद के पास ठोस रकम तथा प्रस्ताव भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए ।
- लोकार्पण हेतु अपने मौलिक ग्रंथों की तीन प्रतियाँ साथ लाइए ।
- संगोष्ठियों में भाग लेकर सक्रिय योगदान दीजिए तथा आगमन की सूचना दीजिए ।
- परिषद के सदस्य एवं प्रतिभागियों से अनुरोध है कि परिषद का प्रकाशन 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' स्वयं तथा अपने महाविद्यालय के लिए खरीदकर सहयोग दें ।

- परिषद के नियामक मंडल की बैठक अधिवेशन स्थल पर दि. 20 दिसंबर, 2018 को सायं. 7.30 बजे संपन्न होगी । नियामक मंडल के सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है ।

-: संगोष्ठियों के विषय :-

''21 वीं सदी की हिंदी ग़ज़ल : विविध विमर्श''

1. 21 वीं सदी की हिंदी ग़ज़लों में सामाजिक विमर्श ।
2. 21 वीं सदी की हिंदी ग़ज़लों में राजनीतिक विमर्श ।
3. 21 वीं सदी की हिंदी ग़ज़लों में आर्थिक एवं धार्मिक विमर्श ।
4. 21 वीं सदी की हिंदी ग़ज़लों में अन्यान्य विमर्श ।
   (नारी विमर्श, दलित विमर्श, ग्रामीण विमर्श, महानगरीय विमर्श, किसान विमर्श आदि ।)

-: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

1. आलेख 1500 से 2000 शब्दों में हो तथा दि. 15 नवंबर, 2018 तक संयोजक के पते पर भेजें ।
2. शोध आलेख कृतिदेव - 10, मंगल, ISM, Font Size 16 में A4 साईज पेपर में टंकित हो ।
3. आलेख की टंकित प्रति के साथ साथ MS Word File तथा PDF File दोनों प्रेषित करें ।
4. आलेख की टंकित प्रति के साथ 100-150 शब्दों तक सार भी प्रेषित करें ।
5. आलेख संयोजक डॉ. विजयकुमार राऊत के ई-मेल **hindinacsp@gmail.com** या **hindipradhyapakadhiveshan@gmail.com** पर भेज दीजिए ।
6. आलेख के साथ रु. **1000/-** (अधिवेशन शुल्क) का डी.डी. संयोजक, डॉ. विजयकुमार राऊत, न्यू आर्टस्, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, पारनेर, के नाम (एच. डी. एफ. सी. बैंक में देय) भेजने पर ही आलेख 'सार्थक उपलब्धि' **(ISSN - 2390-2266)** में प्रकाशित किया जाएगा ।
7. पंजीकरण शुल्क रु. 1000/- RTGS / NEFT द्वारा संयोजक, डॉ. विजयकुमार राऊत, न्यू आर्टस्, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, पारनेर के एच. डी. एफ. सी. बैंक के खाता क्र. 50100076235664, IFSC : HDFC0003005 में भुगतान करें ।

-: अधिवेशन की स्थूल रुपरेखा :-

शुक्रवार दि. 21 दिसंबर, 2018

प्रात:	:	08.30 से 10.00	पंजीकरण तथा जलपान
		10.00 से 12.30	उद्घाटन
दोपहर	:	12.30 से 02.00	बीजभाषण
		02.00 से 03.00	भोजन
		03.00 से 04.30	प्रथम सत्र
		04.30 से 05.30	द्वितीय सत्र
सायं.	:	06.30 से 07.30	भोजन
		07.30 से 10.00	सांस्कृतिक समारोह

शनिवार दि. 22 दिसंबर, 2018

प्रात:	:	07.30 से 08.30	जलपान
		09.00 से 11.00	तृतीय एवं चतुर्थ सत्र (समांतर)
		11.00 से 12.00	खुला अधिवेशन
दोपहर	:	12.00 से 01.00	समापन समारोह (सत्कार / लोकार्पण / पुरस्कार)
		01.00 से 02.00	भोजन

(सदस्यों से अनुरोध हैं कि वे खुले अधिवेशन में रखे जानेवाले प्रस्ताव संयोजक के पास सूचक तथा अनुमोदक के नाम एवं हस्ताक्षर के साथ 21 दिसंबर, 2018 तक देने का कष्ट करें ।)

महाराष्ट्र हिंदी परिषद की कार्यकारिणी

❖ अध्यक्ष

डॉ. मधुकर खराटे

राजेश्वर नगर, फेज – 1,
प्रोफेसर कॉलनी, भुसावल – 425 201
भ्रमणध्वनि – 9422567778

❖ उपाध्यक्ष

◆ **डॉ. अनिल सालुंखे**

हिंदी विभाग, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय,
करमाला, भ्रमणध्वनि – 9421023304

◆ **डॉ. अरुण घोंगरे**

पंचायत समिती के सामने, सिव्हिल लाईन,
परतवाडा, जि. अमरावती – 444 805
भ्रमणध्वनि – 9422858299

❖ कोषाध्यक्ष

डॉ. राजेंद्र रोटे

हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय,
कोल्हापुर – 416 003
भ्रमणध्वनि – 9637291129

❖ प्रधान सचिव

डॉ. गजानन चव्हाण

हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत
कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ संयुक्त सचिव

डॉ. हणमंतराव पाटील

प्रपाठक, हिंदी विभाग,
डॉ. बा. आं. मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद, भ्रमणध्वनि – 9420547070

❖ विश्वविद्यालय के सहसचिव

डॉ. शिवाजी देवरे, जलगांव
डॉ. पूनम त्रिवेदी, नागपुर
डॉ. भारती शेलके, कोल्हापुर
डॉ. अशोक धुलधुले, पुणे
प्रा. दादासो खांडेकर, सोलापुर
डॉ. यादव मेंढे, अमरावती
प्रा. देविदास बामणे, मुंबई
डॉ. देवकीनंदन महाजन, एस.एन.डी.टी.
डॉ. सुजीतसिंह परिहार, नांदेड

❖ पदेन मनोनित सदस्य

डॉ. वसंत केशव मोरे, कोल्हापुर
डॉ. चंद्रदेव कवडे, औरंगाबाद
डॉ. पांडुरंग पाटील, कोल्हापुर
डॉ. अर्जुन चव्हाण, कोल्हापुर
डॉ. सुर्यनारायण रणसुभे, लातुर
डॉ. नारायण शर्मा, औरंगाबाद

❖ मनोनित सदस्य

डॉ. मनोहर सराफ, भुसावल
डॉ. अंबादास देशमुख, लातुर
डॉ. बाबासाहेब कोकाटे, आंबेजोगाई
डॉ. रमाकांत आपरे, जालना
डॉ. सुरेश सालुंखे, बारामती

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का गौरवशाली प्रकाशन
'हिंदी शोध संदर्भ कोश'

महाराष्ट्र में शोध की पुनरावृत्ति न हो तथा शोध में स्तरीयता लाने हेतु परिषद ने महाराष्ट्र के सभी विश्वविद्यालयों में सन् 2000 तक संपन्न शोध-कार्य पर एक परिपूर्ण संदर्भ कोश बनाने की योजना बनाई थी । अथक परिश्रम से सह कार्य संपन्न हो चुका है । शोधार्थियों तथा शोध निर्देशकों के लिए यह कोश दिशानिर्देशक तथा ग्रंथालय के लिए संग्राह्य बन चुका है । इस कोश का मूल्य रु. 400/- है । संस्था / ग्रंथालय तथा व्यक्ति को 50% छूट दी जाएगी । कोश अधिवेशन स्थल पर उपलब्ध होगा । सन् 2000 के बाद काफी शोधकार्य संपन्न हुआ है । अतः 'शोध-संदर्भ कोश' का द्वितीय खंड तैयार करना जरुरी है । हर एक महाविद्यालय के ग्रंथालय के लिए इसकी एक प्रति खरीदने से ही 'दूसरा खंड' प्रकाशित करना संभव हो सकता है । अतः प्रतिभागियों से अनुरोध हैं कि वे अपने महाविद्यालय से नगद या परिषद के नाम का डी. डी. (कोल्हापुर में देय) अपने साथ ले आए और 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' खरीदें ।

❖ प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :

डॉ. राजेंद्र रोटे, कोषाध्यक्ष, म. हिं. परिषद
2716, डी वॉर्ड, बुधवार पेठ, कोल्हापुर-416002
डॉ. गजानन चव्हाण, प्रधान सचिव, म. हिं. प

❖ संपादक :

डॉ. मधुकर खराटे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद

प्रेषक,

डॉ. राजेंद्र रोटे
कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
द्वारा – हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय,
कोल्हापुर – 416 003.
भ्रमणध्वनि – 9637291129.

सदस्यों में निः शुल्क वितरण के लिए ।

बुक-पोस्ट (मुद्रित सामग्री)

प्रतिष्ठा में,